(ङ) यदि हां, तो क्या सरकार ने इसके कारणों पर विचार किया है ; और

(च) यदि नहीं, तो तत्सम्बन्धी आंकड़े क्या हैं ?

स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन और निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास मंत्रालय में राज्य मन्त्री (डा० श्रीपति चन्द्रशेखर) : (क) यह स्थिति अलग-अलग जगह पर अलग-अलग तरह की है । फिर भी, कुछ स्थानीय व्यावहारिक प्रवृत्ति ज्ञान के अध्ययनों से पता चला है कि "उच्च सामाजिक-आर्थिक स्तर के लोगों में संतति-निग्रह का कुछ अधिक अभ्यास किया जाता है ।"

(ख) और (ग). व्यवसायवार परिवार नियोजन के तरीकों को अपनाने से सम्बन्धित हिसाब नहीं रखा जाता है ।

(घ) से (च). नसबंदी आपरेशन, लूप प्रयोग और गत तीन वर्षों में बांटे गये निरोध जैसे विभिन्न तरीकों के अन्तर्गत परिवार नियोजन कार्यक्रम के कार्यों का एक विवरण संलग्न है । विवरण से पता चलेगा कि लूप के अलावा कार्यक्रम में तीव्रता आई है । लूप कार्यक्रम में दर्द, खून बहना जैसी कुछ शिकायतों और शुरू में विपरीत प्रचार के कारण अवरोध हुआ । शिक्षा की गतिविधियों को और तीव्र करके और लूप पहनाने से पहले समुचित रूप से जांच पड़ताल करने और बाद की आवश्यक सेवाएं प्रदान करने जैसे उपायों के द्वारा लूप को फिर से लोकप्रिय बनाया जा रहा है ।

विवरण

(आंकड़े लाखों में)

	1966-67	1967-68	1968-69 (10-2-69 तक प्राप्त रिपोर्ट)
नसबंदी आपरेशन	8.9	18.4	12.6
लूप प्रयोग	9	6.7	3.5
बांटे गये निरोध	316	456	780

बिहार में राष्ट्रीय राजपथ संख्या-32

2432. **श्री क० मि० मधुकर** : क्या सिंचाई तथा विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान इस तथ्य की ओर दिलाया गया है कि बिहार में राष्ट्रीय राजपथ संख्या 32, जो मुजफ्फरपुर से होकर मोतीहारी तक जाता है, बूढ़ी गंडक नदी द्वारा मोतीपुर के निकट भू-कटाव के कारण खतरे में पड़ा हुआ है ;

(ख) यदि हां, तो इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि सरकार का ध्यान बार-बार इस ओर दिलाया गया है, आगामी मानसून ऋतु से पूर्व बारियर गांव में होने वाले भूमि-कटाव से उक्त राष्ट्रीय राजपथ तथा रेलवे लाइन को सुरक्षित रखने के लिये सरकार द्वारा की गई स्थायी कार्यवाही का ब्यौरा क्या है ;

(ग) इस सम्बन्ध में कब तक कार्यवाही करने का सरकार का विचार है ; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

सिंचाई तथा विद्युत मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद) : (क) से (घ). बूढ़ी गंडक द्वारा मोतीपुर ब्लाक में बरियार गांव के निकट तट कटाव किया जा रहा था । पिछली बाढ़ ऋतु में इस नदी द्वारा तट कटाव को रोकने के लिए राज्य सरकार ने सभी सम्भव सावधानियां बरतीं । जहां अधिक कटाव हो रहा था वहां कुछ ठोकरें बनवाई और एक रिटायर्ड तटबन्ध भी बनवाया । आशा है कि इन कार्यों से रेल तथा राष्ट्रीय राजपथ हानि से बच जाएंगे । किन्तु इस पर पूरी निगरानी रखी जाएगी और आवश्यकतानुसार और पग उठाए जाएंगे ।

Licences to Jewellery Dealers in Palghat

2433 **SHRI E. K. NAYANAR** : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether Government are aware that